केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह आज गुजरात के वडोदरा में महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव परिवार की महाआरती में शामिल हुए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे स्वाभिमान के बिंदुओं को फिर से गौरवपूर्ण स्थान दिलाने का संकल्प लिया है

अयोध्या में दशकों तक एक साधारण टेंट में विराजमान रहे राम लला को मोदी जी के नेतृत्व में भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापित किया गया

औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर को छिन्न-भिन्न किया था, मोदी जी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर अपार भव्यता के साथ पुनर्निर्मित होकर खड़ा है

महाकाल कॉरिडोर की स्थापना हो या 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाने का अवसर हो, प्रत्येक अवसर पर मोदी जी ने सनातन के गौरव को उजागर किया

गुलामी की सभी निशानियों को एक-एक कर ध्वस्त करते हुए मोदी जी ने देश की जनता के मन से सामूहिक हीन भावना तथा लघुता के भाव को खत्म किया

प्रविष्टि तिथि: 15 FEB 2026 9:53PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह आज गुजरात के वडोदरा में महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव परिवार की महाआरती में शामिल हुए। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि जब कोई पुण्यात्मा सच्चे मन से संकल्प करता है, तो ईश्वर की कृपा से मुश्किल से मुश्किल संकल्प भी पूर्ण हो जाता है और बहुत बार तो वह एक परंपरा के रूप में परिवर्तित हो जाता है। इसका सबसे बड़ा और जीवंत उदाहरण सर्वेश्वर महादेव की यह विराट प्रतिमा है, जो आज शिवरात्रि के अवसर पर हम सबके समक्ष एक चमत्कार की तरह खड़ी है। उन्होंने कहा कि सावली वाले महाराज ने तीन महान संकल्प किए थे—सुर सागर के मध्य में भव्य शिव प्रतिमा की स्थापना,

शिवरात्रि के दिन वडोदरा में शिवजी की भव्य सवारी का आयोजन तथा गणेशजी की स्थापना। ये तीनों संकल्प हमारी आँखों के सामने साकार रूप में उपस्थित हैं। श्री शाह ने कहा कि पूज्य सावली वाले स्वामी के इस महान संकल्प को सिद्ध करने में अनेक भक्तों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह संकल्प घर-परिवार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने पूरे वडोदरा शहर के नागरिकों को एक सूत्र में बाँध दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज शिवरात्रि का उल्लेख काशी, कोयंबटूर, रामेश्वरम या गिर सोमनाथ, कहीं भी हो, देशभर में सुर सागर के सर्वेश्वर महादेव का नाम गूँजता है। उन्होंने कहा कि यह विराट पुरुषार्थ, सामूहिक संकल्प और संतों के आशीर्वाद का ही परिणाम है, जिसने इस सरोवर को श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बनाया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज देश में ऐसा कोई गाँव नहीं होगा जहाँ शिवरात्रि का उत्सव नहीं मनाया जा रहा हो। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे स्वाभिमान के बिंदुओं को फिर से गौरवपूर्ण स्थान दिलाने का संकल्प लिया है। उनके नेतृत्व में यह कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में कई दशकों तक राम लला एक साधारण टेंट में विराजमान रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में उन्हें एक भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापित किया गया। श्री शाह ने कहा कि करोड़ों लोगों का संकल्प था कि अयोध्या में ठीक उसी स्थान पर, जहाँ प्रभु श्री राम का जन्म हुआ था, एक विराट मंदिर की स्थापना हो। बाबर के काल से लेकर आज तक यह संकल्प अधूरा रहा, लेकिन हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि आज अयोध्या की उसी पावन भूमि पर प्रभु श्री राम की भव्य प्रतिमा स्थापित हो चुकी है। गृह मंत्री ने कहा कि इसी प्रकार, काशी में औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर को छिन्न-भिन्न कर दिया था। आज मोदी जी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर भी अपार भव्यता के साथ पुनर्निर्मित होकर खड़ा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि बीते एक हजार वर्षों में सोमनाथ के ज्योतिर्लिंग पर आक्रमणकारियों ने अनगिनत बार हमला किया। लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल, के. एम. मुंशी तथा भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी के दृढ़ संकल्प से मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ। आज यह मंदिर उन सभी आक्रांताओं को परास्त करते हुए सनातन धर्म की प्रचंड विजय का प्रतीक बनकर सोम समुद्र के तट पर अटल खड़ा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1000 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इस वर्ष 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाकाल कॉरिडोर का पुनर्निर्माण हो या 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाने का अवसर, मोदी जी ने हमारी संस्कृति के गौरव को पुनर्स्थापित किया। श्री शाह ने कहा कि एक-एक कर गुलामी की सभी निशानियों से देश को मुक्त करते हुए मोदी जी ने देशवासियों के मन से सामूहिक हीन भावना को खत्म किया है।

****

RK/RR/PR/PS

(रिलीज़ आईडी: 2228493) आगंतुक पटल : 235
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Urdu , English , Assamese , Gujarati